No. of Printed Pages : 3

ई.एच.डी.-1

13368

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

जून, 2015

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : हिन्दी

ई.एच.डी.-1 : हिन्दी गद्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

*नोट : कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । **प्रथम** प्रश्न अनिवार्य है ।*

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं ***तीन*** की प्रसंग-सहित व्याख्या कीजिए : *3×12=36*

(क) वह बहुत दूर की बात है । आह ! कितनी कठोरता है ! कुमार की स्निग्ध, सरल और सुंदर मूर्ति को देख कर कोई भी प्रेम से पुलकित हो सकता है । किन्तु, उन्हीं का भाई ? आश्चर्य !

(ख) तुम्हें याद है, एक दिन तांगेवाले का घोड़ा दहीवाले की दुकान के पास बिगड़ गया था । तुमने उस दिन मेरे प्राण बचाए थे । आप घोड़ों की लातों में चले गए थे और मुझे उठाकर दुकान के तख़्ते पर खड़ा कर दिया था । ऐसे ही इन दोनों को बचाना, यह मेरी भिक्षा है !

(ग) यदि हम थोड़ा भी अपनी मनोवृत्ति स्थिर कर अवाक् हो अपने मन के साथ बातचीत कर सकें तो मानो अति भाग्य । एक वाक्-शक्ति मात्र के दमन से न जानिए कितने प्रकार का दमन हो गया । हमारी जिह्वा जो कतरनी के समान सदा स्वच्छंद चला करती है उसे यदि हमने दबाकर काबू में कर लिया तो क्रोधादिक बड़े-बड़े अजेय शत्रुओं को बिन प्रयास जीत अपने वश में कर डाला ।

(घ) इस समय बालक को गोद में लिए हुए उसे वह तुष्टि हो रही थी जो अब तक कभी नहीं हुई थी । आज पहली बार उसे आत्मवेदना हुई; जिसके बिना आस नहीं बदलती, अपना कर्तव्य-मार्ग नहीं सूझता । वह मार्ग अब दिखाई देने लगा ।

(ङ) कहते हैं, चेतन से अचेतन अधिक शक्तिशाली होता है । उसमें अधिक आकर्षण है । इसीलिए तुम एक-दूसरे के प्रति खिंचे । चाहे वह प्रेम था, चाहे घृणा थी, पर असल बात रक्त के खिंचाव की थी, वह होकर रही । काश कि मैं निर्मम हो सकती, काश कि मैं संस्कारों की दासता से मुक्त हो सकती । हो पाती तो कुल, धर्म और जाति का भूत मुझे तंग न करता और मैं अपने बेटे से न बिछुड़ती ।

2. भारतेन्दु-युगीन हिन्दी गद्य के विकास पर प्रकाश डालिए । *16*

3. 'परदा' कहानी की कथावस्तु की समीक्षा कीजिए । *16*

4. 'निर्मला' उपन्यास का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए । *16*

5. एकांकी के तत्त्वों के आधार पर 'कौमुदी-महोत्सव' का विश्लेषण कीजिए । *16*

6. रंगमंच अभिनेयता के आधार पर 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक का मूल्यांकन कीजिए । *16*

7. 'बातचीत' निबंध की विशेषताओं को रेखांकित कीजिए । *16*

8. प्रेमचंद-युगीन हिन्दी उपन्यास के विकास का विवरण प्रस्तुत कीजिए । *16*

9. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : *2×8=16*

   (क) रेखाचित्र और संस्मरण

   (ख) 'निर्मला' की भाषा

   (ग) 'जोंक' की नाट्य-वस्तु

   (घ) निबंध और लेखक का व्यक्तित्व

   (ङ) प्रेमचंदपूर्व हिन्दी कहानी